SAMPLE QUESTION PAPER - 7
Hindi A (002)
Class X (2025-26)

निर्धारित समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए :

- इस प्रश्नपत्र में कुल 15 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- इस प्रश्नपत्र में कुल चार खंड हैं- क, ख, ग, घ।
- खंड-क में कुल 2 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 10 है।
- खंड-ख में कुल 4 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 16 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।
- खंड-ग में कुल 5 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है।
- खंड-घ में कुल 4 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं।
- प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।

खंड क - अपठित बोध

1. **निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-** **[7]**

जब तक मनुष्य के मन में संतोष नहीं होगा तब तक उसको सुख नहीं मिल सकेगा। हमें परस्पर प्रेम-भाव से रहना चाहिए। हमें स्वयं पर संयम और नियंत्रण रखना चाहिए। मनमानापन पशुओं का गुण है। मनुष्य तो सोच-समझकर देश और काल के अनुसार आचरण करता है। आप जानते हैं हजारीप्रसाद द्विवेदी जी ने बूढ़ा किसे कहा? नहीं, जरा सोचिए तो सही, उस समय हमारे स्वतंत्रता आंदोलन के नेताओं में सबसे बड़ा और आदरणीय कौन था? समझे आप, हाँ! यहाँ द्विवेदी जी ने पूरे आदर के साथ गांधीजी को ही बूढ़ा कहा है । गांधी जी की बातें लोगों को बहुत भाईं। वे उनके बताए सत्य और अहिंसा के मार्ग पर निडर होकर चलने लगे परन्तु बहुत सारे लोग ऐसे भी थे जो उनके विचारों से भिन्न मत रखते थे। पर महात्मा जी ने अपनी विचारधारा से यह सिद्ध कर दिया कि जब तक हम अपने मन से अहिंसा और सत्य को नहीं अपनाएँगे तब तक मनुष्य का जीवन सार्थक नहीं होगा। गांधी जी के बताए रास्ते को अपने जीवन में उतारना मनुष्यता का पर्याय है।

1. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन (A): गांधीजी ने सत्य और अहिंसा को मनुष्यता का आधार बताया।

कारण (R): गांधीजी का मानना था कि मनुष्य का जीवन तभी सार्थक होगा जब वह सत्य और अहिंसा को अपनाएगा।

i. कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

ii. कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

iv. कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

2. गांधीजी के विचारों को लेकर निम्नलिखित कथनों में से सही विकल्प चुनें:

I. गांधीजी के विचार सत्य और अहिंसा पर आधारित थे।

II. कुछ लोग गांधीजी के विचारों से असहमत थे।

III. गांधीजी ने स्वतंत्रता आंदोलन में भाग नहीं लिया।

IV. गांधीजी का मार्ग मनुष्यता का प्रतीक है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

विकल्प:

i. केवल I और II सही हैं।

ii. केवल I, II और IV सही हैं।

iii. केवल II और III सही हैं।

iv. सभी कथन सही हैं।

3. नीचे दिए गए कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित करें:

कॉलम 1	**कॉलम 2**
I. सत्य और अहिंसा का महत्व	1 - गांधीजी के विचार
II. मनुष्य का सार्थक जीवन	2 - सत्य और अहिंसा को अपनाना
III. द्विवेदी जी द्वारा बूढ़ा किसे कहा	3 - महात्मा गांधी

विकल्प:

i. I (1) II (2) III (3)

ii. I (2) II (1) III (3)

iii. I (3) II (2) III (1)

iv. I (1) II (3) III (2)

4. गाँधी जी ने लोगों को किसका मार्ग दिखाया और लोगों पर उसका क्या प्रभाव पड़ा? (2)

5. गाँधीजी के अनुसार मनुष्यों को जीवन कैसे सार्थक हो सकता है? (2)

2. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-** **[7]**

पुरुष हो, पुरुषार्थ करो, उठो।
पुरुष क्या, पुरुषार्थ हुआ न जो,
हृदय की सब दुर्बलता तजो।
प्रबल जो तुम में पुरुषार्थ हो,
सुलभ कौन तुम्हें न पदार्थ हो?
प्रगति के पथ में विचरों उठो।
पुरुष हो, पुरुषार्थ करो, उठो।।
न पुरुषार्थ बिना कुछ स्वार्थ है,
न पुरुषार्थ बिना परमार्थ है।
समझ लो यह बात यथार्थ है।
कि पुरुषार्थ ही पुरुषार्थ है।
भुवन में सुख-शांति भरो, उठो।
पुरुष हो, पुरुषार्थ करो, उठो।।
न पुरुषार्थ बिना स्वर्ग है,
न पुरुषार्थ बिना अपसर्ग है।
न पुरुषार्थ बिना क्रियत कहीं,
न पुरुषार्थ बिना प्रियता कहीं।
सफलता वर-तुल्य वरो, उठो।
पुरुष हो, पुरुषार्थ करो, उठो।।
न जिसमें कुछ पौरुष हो यहाँ-
सफलता वह पा सकता कहाँ?
अपुरुषार्थ भयंकर पाप है,
न उसमें यश है, न प्रताप है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

न कृमि-कीट समान मरो, उठो।

पुरुष हो, पुरुषार्थ करो, उठो।।

i. काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए। **(1)**

(क) अपुरुषार्थ

(ख) परमार्थ

(ग) सफलता

(घ) पुरुषार्थ का महत्त्व

ii. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन (A): काव्यांश में पुरुषार्थ की महिमा और उसके बिना किसी कार्य की सफलता की असंभवता का उल्लेख किया गया है।

कारण (R): काव्य में यह बताया गया है कि पुरुषार्थ के बिना न तो स्वर्ग की प्राप्ति हो सकती है और न ही जीवन में सुख-शांति आ सकती है।

विकल्प:

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

iv. कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

iii. काव्यांश में पुरुषार्थ से संबंधित निम्नलिखित कथनों में से कौन सा सही है?

I. पुरुषार्थ के बिना जीवन में कोई भी सफलता प्राप्त नहीं की जा सकती है।

II. पुरुषार्थ केवल व्यक्तिगत लाभ के लिए आवश्यक है।

III. काव्य में पुरुषार्थ के बिना न तो स्वर्ग की प्राप्ति हो सकती है और न ही सुख-शांति मिल सकती है।

IV. पुरुषार्थ के बिना जीवन में कोई उद्देश्य प्राप्त नहीं होता है।

विकल्प:

(क) कथन I, III और IV सही हैं।

(ख) कथन II और III सही हैं।

(ग) केवल कथन I और IV सही हैं।

(घ) केवल कथन III सही है।

iv. 'सफलता वर-तुल्य वरो, उठो'-पंक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए। **(2)**

v. 'अपुरुषार्थ भयंकर पाप है'-कैसे? **(2)**

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. **निर्देशानुसार किन्हीं चार के उत्तर लिखिए:** **[4]**

i. उसने स्टेडियम जाकर क्रिकेट मैच देखा। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

ii. जैसे ही बच्चे को खिलौना मिला वह चुप हो गया। (सरल वाक्य में बदलिए)

iii. मन्नू जी की साहित्यिक उपलब्धियों के लिए उन्हें अनेक पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

iv. जो शांति बरसती थी वह चेहरे पर स्थिर थी। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद भी लिखिए)

v. बीज इकट्ठा हो तो सूरजमुखी की खेती की जाए। (सरल वाक्य में बदलिए)

4. **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार वाक्यों का निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए - (1x4=4)** **[4]**

i. कैप्टेन चश्मा बदल देता था। (कर्मवाच्य में)

ii. इस दिन दालमंडी में शहनाई बजाई जाती थी। (कर्तृवाच्य में)

iii. वे आज रात यहीं ठहरेंगे। (भाववाच्य में)

iv. अब सोया नहीं जाता। (कर्तृवाच्य में)

v. दो-तीन पक्षियों द्वारा अपनी-अपनी लय में एक साथ कूदा जा रहा था। (कर्तृवाच्य में)

5. **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए- (1x4=4)** **[4]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

i. बालगोबिन भगत मँझोले कद के गोरे-चिट्टे आदमी थे।

ii. एक पद भगत गाते और सब सुनते।

iii. यह सब मैंने केवल सुना।

iv. धीरे-धीरे धुँध की चादर थोड़ी छँटी।

v. अरे ! आप आ गए!

6. निम्नलिखित काव्यांशों के अलंकार भेद पहचान कर लिखिए- (किन्हीं चार) **[4]**

i. देख लो साकेत नगरी है यही। स्वर्ग से मिलने गगन में जा रही।

ii. चंचला स्नान कर आए, चंद्रिका पर्व में जैसे।
उस पावन तन की शोभा, आलोक मधुर थी ऐसे।।

iii. शशि-मुख पर घूंघट डाले।

iv. दिवसावसान का समय मेघमय आसमान से उतर रही है वह संध्या सुन्दरी, परी सी।।

v. पद पातालशीश अज धामा,
अपर लोक अंग-अंग विश्राम।

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

भादो की वह अँधेरी अधरतिया। अभी, थोड़ी ही देर पहले मुसलधार वर्षा खत्म हुई है। बादलों की गरज, बिजली की तड़प में आपने कुछ नहीं सुना हो, किंतु अब झिल्ली की झंकार या दादुरों की टर-टर्र बालगोबिन भगत के संगीत को अपने कोलाहल में डुबो नहीं सकतीं। उनकी खँजड़ी डिमक-डिमक बज रही है और वे गा रहे हैं- "गोदी में पियवा, चमक उठे सखिया, चिहुँक उठे ना!" हाँ, पिया तो गोद में ही है, किंतु वह समझती है, वह अकेली है, चमक उठती है, चिहुँक उठती है। उसी भरे-बादलों वाले भादो की आधी रात में उनका यह गाना अँधेरे में अकस्मात कौंध उठने वाली बिजली की तरह किसे न चौंका देता? अरे, अब सारा संसार निस्तब्धता में सोया है, बालगोबिन भगत का संगीत जाग रहा है, जगा रहा है- तेरी गठरी में लागा चोर, मुसाफ़िर जाग ज़रा!

i. गद्यांश में किस ऋतु का वर्णन है?

क) भादो　　ख) ज्येष्ठ

ग) आषाढ़　　घ) श्रावण

ii. बालगोविन भगत के पास वाद्ययंत्र था-

क) खंजड़ी　　ख) हारमोनियम

ग) तबला　　घ) ढोलक

iii. जब सारा संसार सोया था उस समय कौन जाग रहा था?

क) गाँव के कुत्ते　　ख) मठाधीश

ग) किसान　　घ) बालगोबिन का संगीत

iv. रात के अँधियारे में आधी रात को बालगोविन भगत निम्न में कौन गीत गा रहे हैं?

क) राम-राम गुण गाए जा, बेड़ा पार लगाए जा　　ख) गठरी में लागा चोर

ग) उपर्युक्त दोनों (गठरी में लागा चोर) और (गोदी में पियवा...चिहुँक उठे)　　घ) गोदी में पियवा...चिहुँक उठे

v. भगत जी रात को क्यों गा रहे थे?

क) कबीरपंथी रात को ही गाते हैं　　ख) वे रात की शांति में ही गाते थे

ग) साधु-संत रात-दिन नहीं देखते　　घ) उन्हें संगीत साधना में 'रात-दिन' का भान नहीं था

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

i. हालदार साहब ने ड्राइवर को पहले चौराहे पर गाड़ी रोकने के लिए मना किया था लेकिन बाद में तुरंत रोकने को कहा- हालदार साहब पहले मायूस क्यों हो गए थे? **[2]**

ii. 'मन्नू भंडारी की माँ त्याग और धैर्य की पराकष्य थी-फिर भी लेखिका के लिए आदर्श न बन सकी। **[2]**

iii. बड़े जतन से खीरा खाने की तैयारी के बावजूद भी नवाब साहब ने खीरा क्यों नहीं खाया? **लखनवी अंदाज़** पाठ के आधार पर लिखिए। **[2]**

iv. संस्कृति कब असंस्कृति बन जाती है? **संस्कृति** पाठ के आधार पर लिखिए। **[2]**

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

सीवन को उधेड़ कर देखोगे क्यों मेरी कंथा की?
छोटे से जीवन की कैसे बड़ी कथाएँ आज कहूँ?
क्या यह अच्छा नहीं कि औरों की सुनता मैं मौन रहूँ?
सुनकर क्या तुम भला करोगे मेरी भोली आत्म-कथा?
अभी समय भी नहीं, थकी सोई है मेरी मौन व्यथा।

i. कवि ने अपने जीवन को कैसा बताया है?

क) बड़ा　　ख) बच्चा
ग) भरा हुआ　　घ) छोटा

ii. कवि ने किसे संजो कर रखा है?

क) अपने जीवन को　　ख) नई यादों को
ग) पुरानी यादों को　　घ) बड़ी कथाओं को

iii. कवि आत्मकथा क्यों नहीं लिखना चाहता?

क) क्योंकि वह बहुत खुश है　　ख) क्योंकि उसका जीवन सुख से भरा हुआ है
ग) क्योंकि उसने जीवन में कोई उपलब्धि प्राप्त नहीं की　　घ) क्योंकि उसका मन नहीं है

iv. पद्यांश में कवि ने किसे अच्छा माना है?

क) अपने दुःख को　　ख) दूसरों की आत्मकथा सुनने को
ग) अपने जीवन को　　घ) अपनी आत्मकथा लिखने को

v. **थकी सोई है मेरी मौन व्यथा**- कवि ने ऐसा क्यों कहा है?

क) क्योंकि वे स्वयं बहुत सुखी हैं　　ख) क्योंकि वे अपने मित्रों को खुश देखना चाहते हैं
ग) क्योंकि वे अपने दुखद क्षणों को याद करना चाहते हैं　　घ) क्योंकि वे अपने अतीत को कुरेद कर दुखी नहीं होना चाहते

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. कवि ने 'उत्साह' गीत में बादलों को किस आकांक्षा को पूरा करने वाला बताया है ? **[2]**

ii. "यह दंतुरित मुस्कान" कविता में कवि ने मानव जीवन के किस सत्य को प्रकट किया है? **[2]**

iii. संगतकार की आवाज़ में हिचक क्यों सुनाई देती है? **[2]**

iv. उद्धव ज्ञानी थे, नीति की बातें जानते थे; गोपियों के पास ऐसी कौन-सी शक्ति थी जो उनके वाक् चातुर्य में मुखिरत हो उठी? सूरदास के पद के आधार पर बताइए। **[2]**

खंड ग - कृतिका (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:** **[8]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

i. **माता का अँचल** नामक पाठ में लेखक ने तत्कालीन समाज के पारिवारिक परिवेश का जो चित्रण किया है, उसे अपने शब्दों में लिखिए। **[4]**

ii. **मैं क्यों लिखता हूँ?** पाठ के आधार पर लेखक अज्ञेय के मानवीय मूल्यों का आँकलन कीजिए। **[4]**

iii. पर्वतीय स्थलों पर बढ़ती व्यावसायिक गतिविधियों का इन स्थलों व प्रकृति पर क्या प्रभाव पड़ रहा है? इस प्रभाव को किस प्रकार रोका जा सकता है? **[4]**

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:** **[6]**

i. **ऑनलाइन शिक्षा : शिक्षा जगत में नवीन क्रांति** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

- वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अनिवार्यता
- सकारात्मक प्रभाव
- कमियाँ
- सुझाव

ii. **खेल और स्वास्थ्य** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

- खेलों की उपयोगिता
- खेल और स्वास्थ्य का संबंध
- हमारा कर्त्तव्य

iii. **बाल दिवस** विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

13. दूरदर्शन निदेशालय को लगभग 80-100 शब्दों में पत्र लिखकर अनुरोध कीजिए कि किशोरों के लिए देशभक्ति की प्रेरणा देने वाले अधिकाधिक कार्यक्रमों को प्रसारित करने की ओर ध्यान दिया जाए। **[5]**

अथवा

आप छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। परीक्षा की समाप्ति के बाद भी आप घर नहीं जा पा रहे हैं। इसके बारे में बताते हुए पिताजी को पत्र लिखिए।

14. शिक्षा निदेशालय, दिल्ली को विभिन्न विषयों के प्रशिक्षित स्नातक अध्यापकों की आवश्यकता है। इस पद के लिए शिक्षा निदेशक को स्ववृत सहित एक आवेदन-पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

नगर-निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को लगभग 100 शब्दों में एक ई-मेल लिखिए जिसमें खाद्य पदार्थों में मिलावट पर अंकुश लगाने के लिए कड़े कदम उठाने का आग्रह किया गया हो।

15. प्लास्टिक के विरुद्ध लोगों में जागरूकता लाने के लिए कपड़े के थैले बनाने की एक तीन दिन की कार्यशाला के बारे में लगभग 20-25 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए। **[4]**

अथवा

आप अपने नर्वनिर्वाचित सांसद को बधाई देते हुए संदेश लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Solution

खंड क - अपठित बोध

1. 1. iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   2. ii. केवल I, II और IV सही हैं।
   3. i. I (1) II (2) III (3)
   4. गाँधी जी ने लोगों को सत्य और अहिंसा का मार्ग दिखाया। लोगों को यह मार्ग बहुत पसंद आया और वे निडर होकर उसका अनुसरण करने लगे जब कि कुछ लोगों ने इसका विरोध भी किया।
   5. गाँधीजी के अनुसार पूरे मन से सत्य और अहिंसा को जीवन में अपनाकर उस पर चलने वाले मनुष्यों का जीवन सार्थक हो सकता है। गाँधीजी के बताए रास्ते को अपने जीवन में उतारना मनुष्यता का पर्याय है।
2. i. (घ) शीर्षक-पुरुषार्थ का महत्त्व। अथवा पुरुष हो पुरुषार्थ करो।
   ii. (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   iii. (क)कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   iv. इसका अर्थ है कि मनुष्य निरंतर कर्म करे तथा वरदान के समान सफलता को धारण करे। दूसरे शब्दों में, जीवन में सफलता के लिए परिश्रम आवश्यक है।
   v. अपुरुषार्थ का अर्थ यह है-कर्म न करना। जो व्यक्ति परिश्रम नहीं करता, उसे यश नहीं मिलता। उसे वीरत्व नहीं प्राप्त होता। इसी कारण अपुरुषार्थ को भयंकर पाप कहा गया है।

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. i. वह स्टेडियम गया और क्रिकेट मैच देखा।
   ii. बच्चे को खिलौना मिलते ही वह चुप हो गया।
   iii. मन्नू जी की जो साहित्यिक उपलब्धियां हैं, उनके लिए अनेक पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं।
   iv. **आश्रित उपवाक्य:** "जो शांति बरसती थी"
   भेद: विशेषण उपवाक्य (विशेषण की तरह वाक्य के किसी अंग की विशेषता बताता है)
   v. **सरल वाक्य:** बीज इकट्ठा हो जाने पर सूरजमुखी की खेती की जाए।
4. i. कैप्टन द्वारा चश्मा बदल दिया जाता था।
   ii. इस दिन दालमंडी में शहनाई बजाते थे।
   iii. उनसे आज रात यहीं ठहरा जाएगा।
   iv. अब सो नहीं पाता / सकता।
   v. दो-तीन पक्षी अपनी-अपनी लय में एक साथ कूद रहे थे |
5. i. **आदमी:** संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म
   ii. **और:** समुच्चयबोधक अव्यय
   iii. **सुना:** क्रिया, सकर्मक, सकार्मक, कर्तृवाच्य, भूतकाल
   iv. **धीरे-धीरे:** क्रिया विशेषण, रीतिवाचक
   v. **अरे!** - अव्यय, विस्मयादिबोधक, हर्षसूचक
6. i. अतिश्योकित अलंकार
   ii. उत्प्रेक्षा अलंकार
   iii. रूपक अलंकार
   iv. मानवीकरण अलंकार
   v. अतिश्योकित अलंकार

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

भादो की वह अँधेरी अधरतिया। अभी, थोड़ी ही देर पहले मुसलधार वर्षा खत्म हुई है। बादलों की गरज, बिजली की तड़प में आपने कुछ नहीं सुना हो, किंतु अब झिल्ली की झंकार या दादुरों की टर-टर्र बालगोबिन भगत के संगीत को अपने कोलाहल में डुबो नहीं सकतीं। उनकी खँजड़ी डिमक-डिमक बज रही है और वे गा रहे हैं- "गोदी में पियवा, चमक उठे सखिया, चिहुँक उठे ना!" हाँ, पिया तो गोद में ही है, किंतु वह समझती है, वह अकेली है, चमक उठती है, चिहुँक उठती है। उसी भरे-बादलों वाले भादो की आधी रात में उनका यह गाना अँधेरे में अकस्मात कौंध उठने वाली बिजली की तरह किसे न चौंका देता? अरे, अब सारा संसार निस्तब्धता में सोया है, बालगोबिन भगत का संगीत जाग रहा है, जगा रहा है- तेरी गठरी में लागा चोर, मुसाफ़िर जाग ज़रा!

(i) **(क)** भादो
व्याख्या:
भादो

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ii) **(क)** खंजड़ी
व्याख्या:
खंजड़ी

(iii) **(घ)** बालगोबिन का संगीत
व्याख्या:
बालगोबिन का संगीत

(iv) **(ग)** उपर्युक्त दोनों (गठरी में लागा चोर) और (गोदी में पियवा...चिहुँक उठे)
व्याख्या:
उपर्युक्त दोनों (गठरी में लागा चोर) और (गोदी में पियवा...चिहुँक उठे)

(v) **(घ)** उन्हें संगीत साधना में 'रात-दिन' का भान नहीं था
व्याख्या:
उन्हें संगीत साधना में 'रात-दिन' का भान नहीं था

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:
(i) हालदार साहब इसलिए मायूस हो गए क्योंकि उन्हें पता था कि कैप्टन अब मर चुका है और अब नेता जी की मूर्ति पर चश्मा कौन लगाएगा, कस्बे में ऐसा कोई देश प्रेमी नहीं था जिसकी नेताजी जैसे देशभक्त के लिए सम्मान की भावना हो। इसी मायूसी के कारण चौराहे पर गाड़ी रोकने से मना किया था।
(ii) लेखिका स्वतंत्र विचारों वाली, अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग थी | उनकी की माँ त्याग और धैर्य की पराकाष्ठा थी पर वे लेखिका के लिए आदर्श नहीं बन सकी क्योंकि उनकी दृष्टि में उनका ये धैर्य और त्याग स्वाभाविक न होकर विवशता और बेबसी से उपजा था |
(iii) बड़े जतन से खीरा खाने की तैयारी के बावजूद भी नवाब साहब ने खीरा इसलिए नहीं खाया क्योंकि जब लेखक जैसे आम इंसान ने खीरा खाने से मना कर दिया था तो नवाब साहब तो नवाबी शान की जीती जागती प्रतिमूर्ति थे। वे खीरे जैसी अखाद्य वस्तु को कैसे खा सकते थे।
(iv) संस्कृति का अर्थ केवल आविष्कार करना नहीं होता है। यह आविष्कार जब मानव कल्याण की भावना से जुड़ जाता है, तो हम उसे संस्कृति कहते हैं, किंतु जब आविष्कार करने की योग्यता का उपयोग विनाश करने के लिए किया जाता है, तब यह संस्कृति ही असंस्कृति बन जाती है। अतः यह कहना उचित होगा कि संस्कृति मानव के कल्याण के लिए होती है और उसके विकास तथा ज्ञान का मार्ग प्रशस्त करती है, जबकि असंस्कृति का रूप अकल्याणकारी होता है और वह मानवता को विनाश की ओर ले जाती है।

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
सीवन को उधेड़ कर देखोगे क्यों मेरी कंथा की?
छोटे से जीवन की कैसे बड़ी कथाएँ आज कहूँ?
क्या यह अच्छा नहीं कि औरों की सुनता मैं मौन रहूँ?
सुनकर क्या तुम भला करोगे मेरी भोली आत्म-कथा?
अभी समय भी नहीं, थकी सोई है मेरी मौन व्यथा।

(i) **(घ)** छोटा
व्याख्या:
छोटा

(ii) **(क)** अपने जीवन को
व्याख्या:
अपने जीवन को

(iii) **(ग)** क्योंकि उसने जीवन में कोई उपलब्धि प्राप्त नहीं की
व्याख्या:
क्योंकि उसने जीवन में कोई उपलब्धि प्राप्त नहीं की

(iv) **(ख)** दूसरों की आत्मकथा सुनने को
व्याख्या:
दूसरों की आत्मकथा सुनने को

(v) **(घ)** क्योंकि वे अपने अतीत को कुरेद कर दुखी नहीं होना चाहते
व्याख्या:
क्योंकि वे अपने अतीत को कुरेद कर दुखी नहीं होना चाहते

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:
(i) कवि ने 'उत्साह' गीत में बादलों को पीड़ित प्यासे जन की आकांक्षा को पूरा करने वाला माना है | वे क्रांति के माध्यम से नवीन चेतना का सृजन करने वाले हैं | कवि के अनुसार धरती गर्मी से तप्त थी और सभी लोग व्याकुल और अनमने हो रहे थे। उन्हें केवल बादल ही शीतलता प्रदान कर सकते हैं ।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ii) शिशु की मनोहारी दंतुरित मुसकान को देखकर कवि का मन सरसता तथा स्निग्धता से भरकर आनंदित हो उठता है। वह अपने संघर्षों का श्रम भूल जाता है। इस प्रकार कविता के माध्यम से कवि ने समाज को संदेश दिया है कि पारिवारिक जीवन अच्छा है, इससे मनुष्य के मन में आनन्द और उत्साह का संचार होता है तथा वह अनेक कठिनाइयों को सरलता से पार कर लेता है।

(iii) संगतकार की आवाज़ में हिचक-सी इसलिए प्रतीत होती है क्योंकि वह अपनी कला को मुख्य गायक से आगे नहीं करना चाहता अथवा वह मुख्य गायक से आगे नहीं निकालना चाहता है। वह अपनी आवाज़ को मुख्य गायक से ऊँचा नहीं उठने देता, ताकि मुख्य गायक की महत्ता कम न हो। यह हिचक उसके विनम्रता और मनुष्यता का प्रतीक है। वह मुख्य गायक को गाने का पूरा श्रेय देना चाहता है। इसके अलावा, संगतकार अपनी कला में भी कुशल होता है, इसलिए वह अपनी आवाज़ को नियंत्रित कर सकता है। वह जानता है कि कब और कैसे अपनी आवाज़ का उपयोग करना है और किस मौके पर मुख्य गायक का साथ देना है।

(iv) उद्धव निर्गुण ब्रहम के ज्ञाता थे और वे गोपियों को योग का संदेश देने आये थे लेकिन गोपियों ने उनकी एक भी नहीं सुनी क्योंकि सच्चे प्रेम में इतनी शक्ति होती है कि बड़े-से-बड़ा ज्ञानी भी उसके आगे घुटने टेक देता है। गोपियों के पास श्री कृष्ण के प्रति सच्चे प्रेम तथा भक्ति की शक्ति थी जिस कारण उन्होंने उद्धव जैसे ज्ञानी तथा नीतिज्ञ को भी अपने वाक्चातुर्य से परास्त कर दिया।

खंड ग - कृतिका (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:

(i) इस पाठ में तत्कालीन समाज की जीवन शैली का वर्णन किया गया है। उस समय के परिवारों में बच्चे माँ के ममतामयी अँचल की छाँव में बड़े होते थे। घर के सदस्यों के मध्य आत्मीयता का संबंध होता था। पिता और पुत्र के मध्य प्रेम को इस पाठ में विस्तार से चित्रित किया गया है। घर में धार्मिक वातावरण होता था। बच्चों को प्रांरभ से जीवों के प्रति प्रेम करना, प्रातः जल्दी उठना, प्रकृति के नजदीक जाना आदि सिखाया जाता था। बच्चे मित्रों के साथ समूह में खेलते थे जिससे उनमें सामाजिकता व सामूहिकता का विकास होता था। वे घरेलू व परंपरागत खेल खेला करते थे जिन्हें खेलने के लिए विशेष साधनों की आवश्यकता नहीं होती थी।

(ii) 'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ के लेखक अज्ञेय के मानवीय मूल्य निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत आँकलित किए जा सकते हैं-

i. **सवेदनशीलता**- लेखक संवेदनशील व्यक्ति है। वह हिरोशिमा के अणु-बम भोगियों के दुख को हृदय की गहराई से महसूस करता है।
ii. **दुख की प्रत्यक्ष अनुभूति**- जापान में घूमते हुए लेखक ने जब जले हुए पत्थर पर जली हुई लंबी छाया देखी तो उसे किसी मनुष्य के जलने के दुख की प्रत्यक्ष अनुभूति हुई, जिससे वह कविता लिखने को बाध्य हो गया।
iii. **तदानुभूति**- रेडियम-धर्मी पदार्थ की किरणों से जले व्यक्ति की पत्थर पर छाया देख अणु विस्फोट लेखक के अनुभूति-प्रत्यक्ष में आ गया और वह स्वयं उस विस्फोट का भोक्ता बन गया।
iv. **व्यापक दृष्टिकोण**- लेखक का दृष्टिकोण बहुत व्यापक है। वह मनुष्य ही नहीं ब्रह्मपुत्र में जीव-नाश (मछलियों के मरने) से भी दुखी होता है।

(iii) पर्वतीय स्थलों पर बढ़ती व्यावसायिक गतिविधियों को पर्वतीय स्थलों व समतलीय स्थलों और समुद्रीय क्षेत्रों आदि की प्रकृति पर अत्यधिक बुरा प्रभाव पड़ रहा है। प्रदूषण निरन्तर प्रकृति बढ़ता जा रहा है। इसी प्रकार प्रदूषण ने प्रकृति में असंतुलन बढ़ा है। पर्वतीय स्थलों पर घूमने आने वाले पर्यटक वहाँ पर अपने साथ ले जाए गए सामान, कूड़ा-करकट, बचा हुआ भोज्य पदार्थ आदि वहीं पड़ा छेड़ आते हैं, जिसके कारण प्राकृतिक सौन्दर्य नष्ट तो होता ही है साथ ही साथ प्रदूषण भी बढ़ता जा रहा है। इसलिए इन सबको रोकने के लिए वयापक रूप से एक बड़े स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने चाहिए। जिससे विभिन्न प्रकार की गतिविधियों को नियंत्रित किया जा सके। पहाड़ों को स्वच्छ बनाए रखने के लिए समाजिक स्तर विभिन्न प्रकार के प्रदूषण सम्बंधित प्रोग्रामों से प्रेरित किया जाए। प्रदूषण प्रेमीयो को सम्मानित किया जाऐ और सरकार द्वारा भी कठोर कदम उठाए जाने चाहिए जिससे कि इनके प्राकृतिक सौंदर्य को बचाया जाए।

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

(i) **ऑनलाइन शिक्षा : शिक्षा जगत में नवीन क्रांति**

शिक्षा जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। शिक्षा एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ है सीखना या सिखाना। शिक्षा हम किसी भी माध्यम के द्वारा ग्रहण कर सकते है। शिक्षा मनुष्य को बौद्धिक रूप से तैयार करती है। वैसे ही आज के आधुनिक युग में शिक्षा प्राप्त करने का एक सरल तरीका है ऑनलाइन शिक्षा। आधुनिक समय में ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली एक वरदान की तरह है। जिसने किसी कारण शिक्षा ग्रहण नहीं की वो ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली से नए आयाम हासिल कर सकता है। वर्ष 1993 से ऑनलाइन शिक्षा को वैध शिक्षा माध्यम के रूप में भी स्वीकार किया गया है। जिन्हें प्रयुक्त भाषा में दूरस्थ शिक्षा कहा जाता है। इसमें निर्धारित पाठ्यक्रम को VS/डीवीडी और इंटरनेट के माध्यम से शिक्षा दी जाती है। बड़ी-बड़ी सेवाओं जैसे सिविल सर्विस, इंजीनियरिंग और मेडिकल, बनने आदि की शिक्षा भी आज कई संस्थान ऑनलाइन उपलब्ध करवा रहे हैं। बदलते परिवेश में टेक्नोलॉजी में भी कई बदलाव हुए हैं और इसके उप्रयोग भी बड़े हैं। टेक्नोलॉजी के वजह से शिक्षा लेने की पद्धति में भी बहुत से परिवर्तन देखने को मिले हैं। आज ऑनलाइन शिक्षा में उपयोग होने वाली शिक्षण संबंधित सामग्री, टेक्नोलॉजी के माध्यम से एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजी जा सकती है। ऑनलाइन शिक्षा से समय बचता है। साथ ही आप शिक्षा को अपने घर में आराम से ले सकते हैं। बच्चे लगातार अपने शिक्षकों को ऑनलाइन कक्षा से पढ़ने के नए तरीकों को सिखाते हैं और पढ़ने में भी रूचि रखते हैं। यही नहीं ऑनलाइन शिक्षा में ट्यूशन या बड़े-बड़े कोचिंग सेंटर का खर्चा भी बचता है। उदाहरण के लिए राजस्थान सरकार द्वारा स्माइल प्रोजेक्ट के तहत स्कूली बच्चों की व्हाट्सएप के माध्यम से रोजाना स्टडी मेटेरियल, विडियो, ऑडियो आदि पहुँचाए जाते हैं। इस नई पहल से शिक्षा व्यवस्था बाधित होने की बजाय अधिक आसान हुई है। बदलते अध्ययन वातावरण ने मनोरंजन को और भी रोमांचित बनाया हैं। थकान और अच्छी दैनिक लागत बचत ऑनलाइन शिक्षा के समय से बचाया जाता है। इसमें आप अपने वीडियों को फिर से देख सकते हैं।

ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए ऑनलाइन शिक्षा हमारी वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने PM e-Vidya नामक प्रोग्राम की शुरूआत की। अभी ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली पर अमल इतना नहीं हुआ है। कोरोना महामारी के चलते शिक्षण संस्थानों और छात्रों को इसके अनुरूप ढालना एक चुनौती के समान है। इंटरनेट स्पीड भी एक बड़ी समस्या है। शैक्षिक दूसरा कारण आज भी कई मध्यम वर्गीय परिवारों में स्मार्टफोन जैसी मूल सुविधा उपलब्ध नहीं है। पाठ्यक्रम की असमानता सबसे बड़ी चुनौती है। आधुनिक युग में इसका उपयोग बहुत तेजी से बढ़ रहा हैं। अगर देखा

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

जाए तो शिक्षक और छात्र अधिकतर आठ घंटे ऑनलाइन समय बिताते हैं जो कि मानसिक और शारीरिक स्थिति के लिए हानिकारक है। दूसरा घर की आर्थिक स्थिति सही न होने के कारण माता-पिता बच्चों को मोबाइल, लेपटॉप, कम्प्यूटर जैसी सुविधा उपलब्ध नहीं करा सकते। आज के इस डिजिटल युग में ऑनलाइन शिक्षा के प्रोत्साहन से छात्र नए-से-नए ज्ञान से परिचित हो सकेंगे।

(ii) स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। बच्चों में स्वस्थ मन, अनुशासित जीवन, स्वस्थ शारीरिक विकास, सदाचार से युक्त उत्तम चरित्र एवं नैतिक मूल्यों का विकास खेल के मैदान में ही किया जा सकता है। खेलों से बच्चे के व्यक्तित्व का विकास भी होता है तथा वे अनुशासन प्रिय भी बनते हैं और उनमें टीम-भावना का भी विकास होता है। यही भावना हमें दूसरों के साथ सामंजस्य रखना तथा कठिनाइयों एवं विपत्तियों को झेलना सिखाती है इसीलिए स्वामी विवेकानंद ने अपने देश के नवयुवकों से कहा था- "मेरे नवयुवक मित्रों! बलवान बनो। तुमको मेरी सलाह है, गीता के अभ्यास की अपेक्षा फुटबॉल खेलने के द्वारा तुम स्वर्ग के अधिक निकट पहुँच जाओगे। इस कथन से स्पष्ट है कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का निवास सम्भव है।

शरीर को स्वस्थ तथा मज़बूत बनाने के लिए खेल अनिवार्य है। मनोवैज्ञानिकों का मत है कि मनुष्य की खेलों में रुचि स्वाभाविक है। इसी कारण बच्चे खोलों में अधिक रुचि लेते हैं। **पी. साइरन** ने कहा है- "अच्छा स्वास्थ्य एवं अच्छी समझ जीवन के दो सर्वोत्तम वरदान हैं।" खेलने से शरीर को बल, माँसपेशियों को उभार, भूख को तीव्रता, आलस्यहीनता तथा मलादि को शुद्धता प्राप्त होती है। खेलने से मनुष्य में संघर्ष करने की आदत आती है। जीवन की जय-पराजय को आनन्दपूर्ण ढंग से लेने की महत्त्वपूर्ण आदत खेल खेलने से ही आती है। इंग्लैंड वालों का कथन है- "विद्यार्थी जीवन में खेल की भावना से प्रशिक्षित होकर ही 'एटन' के मैदान में अंग्रेजों ने नेपोलियन को 'वाटरलू' के युद्ध में पराजित किया था।" इससे जीवन में खेलों की महत्ता स्पष्ट हो जाती है। खेल हमारा भरपूर मनोरंजन करते हैं। खिलाड़ी हो अथवा खेल-प्रेमी, दोनों को खेल के मैदान में एक अपूर्व आनन्द मिलता है, अतः हमारा कर्तव्य है, कि हम खेलों को बढ़ावा दें, जिससे बच्चों का स्वास्थ्य भी अच्छा बना रहे।

(iii) बाल-दिवस प्रतिवर्ष 14 नवम्बर को मनाया जाता है। स्व. पंडित जवाहरलाल नेहरू को बच्चों से बहुत प्यार था। प्रतिवर्ष इस दिन विद्यालयों में विशेष समारोह होते हैं। किसी-किसी विद्यालय में छात्र छात्राओं को मिठाई बाँटी जाती हैं। इस दिन बाल-कल्याणकारी कार्यक्रमों की घोषणा होती है या उन्हें शुरू किया जाता है।

सरकार तथा अनेक संस्थानों की ओर से भी स्कूली बच्चों के मनोरंजन एवं ज्ञानवर्धन के लिए अनेक कार्यक्रम होते हैं। सफदरजंग हवाई अड्डे पर बच्चों को नि:शुल्क हवाई सैर कराई जाती है। राष्ट्रीय संग्रहालय, चिड़ियाघर, कुतुबमीनार में बच्चों के लिए निःशुल्क प्रवेश की अनुमति होती है। इसके अतिरिक्त नेहरू संग्रहालय में अनेक आयोजन होते हैं। आकाशवाणी तथा दूरदर्शन भी बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रमों का प्रसारण करते हैं। समाचार-पत्रों, पत्रिकाओं में बच्चों की रुचि तथा लाभ के लिए उपयोगी सामग्री का प्रकाशन होता है। बाल दिवस के त्योहार का सबसे बड़ा महत्व बच्चों में आत्म-सम्माान, आत्म-गौरव, स्वयं को पहचानने, जीवन में कुछ कर दिखाने की चाह जैसे विचार उत्पन्न करने में हैं। इससे वे उन्नति के पथ पर अग्रसर होते हैं।

13. परीक्षा भवन
श्री गोविन्दम् विद्यालय
गोविन्द नगर
दिनांक- 21/08/2020
सेवा में,
निर्देशक जी
दूरदर्शन निदेशालय
अ व स नगर
विषय- देशभक्ति की प्रेरणा देने वाले कार्यक्रम के अधिक प्रसारण हेतु पत्र
महोदय,
मैं गोविन्द नगर का निवासी हूँ। वर्तमान में दूरदर्शन संचार का सबसे प्रभावी साधन बन गया है। बालक हो या युवा सभी दूरदर्शन पर चलने वाले कार्यक्रमों से प्रेरणा ग्रहण कर अपने दैनिक जीवन में उसका प्रयोग करते हैं। इनमें से कुछ कार्यक्रम अच्छे भी होते हैं तथा कुछ किशोरों के लिए उपयोगी नहीं भी होते हैं। अतः आपसे निवेदन कर रहा हूँ कि दूरदर्शन पर देशभक्ति से संबंधित कार्यक्रमों को अधिक से अधिक प्रसारण करवाने की कृपा करें। इससे किशोरावस्था वाले बालक-बालिकाओं के मन में देश के लिए प्रेम जागृत होगा तथा उनका नैतिक विकास भी होगा। ऐसे कार्यक्रम सीधे प्रभाव डालते हैं। यह कार्यक्रम युवाओं को देश के प्रति सोचने में विवश कर देगें।
इसके लिए हम सदैव आपके आभारी रहेंगे।
सधन्यवाद
आपका विश्वासी
गिरीश सिंह वाघेला

अथवा

बसंत छात्रावास,
कोठद्वार, उत्तराखंड।
02 मार्च, 2019
पूज्य पिता जी,
सादर चरण-स्पर्श।
आपका पत्र पिछले सप्ताह मिला था,किन्तु परीक्षाएँ समाप्त न होने के कारण मैं चाहकर भी पत्रोत्तर न दे सका, इसके लिए क्षमा प्रार्थी हूँ। आपने मुझसे परीक्षा संबंधी जानकारी चाही थी कि मेरे प्रश्नपत्र कैसे हुए, इस पत्र में मैं उसी के बारे में बता रहा हूँ।
पिता जी, आपको यह जानकर खुशी होगी कि मेरे प्रश्नपत्र बहुत अच्छे हुए हैं। गणित और अंग्रेजी की परीक्षा से पूर्व थोड़ी-सी घबराहट सी थी परंतु इन विषयों

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

के प्रश्नपत्र बहुत अच्छे हुए। सामाजिक विज्ञान का प्रश्नपत्र बहुत ही अच्छी हुआ है। हिंदी और संस्कृत की तैयारी मैंने आपके निर्देशानुसार की था। उनके प्रश्नोत्तर लिखने का जो तरीका आपने बताया था, उससे सभी प्रश्न भी तय सीमा के भीतर हल हो गए और दोहराने का समय भी मिल गया। विज्ञान मेरा प्रिय विषय है, इसमें मुझे परेशानी नहीं थी। इस बार मैंने अपने अध्यापकों के निर्देशन में तैयारी की, जिसका परिणाम बहुत अच्छा रहा। मुझे आशा है कि आपके आशीर्वाद से मैं 'ए' ग्रेड प्राप्त कर लूँगा।
पूज्या माता जी को चरण-स्पर्श और प्रीति को स्नेह।
आपका प्रिय पुत्र,
गोविन्द सिंह

14. प्रति,
शिक्षा निदेशक
शिक्षा निदेशालय
दिल्ली।
विषय-प्रशिक्षित स्नातक अध्यापकों की भर्ती हेतु आवेदन-पत्र।
महोदय,
मुझे 05 मई, 2019 को प्रकाशित दैनिक जागरण समाचार-पत्र से ज्ञात हुआ कि शिक्षा निदेशालय को विभिन्न विषयों के प्रशिक्षित स्नातक अध्यापकों की आवश्यकता है। प्रार्थी भी स्वयं को एक उम्मीदवार के रूप में प्रस्तुत कर रहा है, जिसका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है-
नाम - सचिन बंसल
पिता का नाम - श्री बिन्नी बंसल
जन्मतिथि - 25 दिसंबर,1991
पता - सी/125 सागरपुर दिल्ली।
शैक्षिक योग्यताएँ-

दसवीं कक्षा	सी०बी०एस०ई०	2006	70%
बाहरवीं कक्षा	सी०बी०एस०ई०	2008	79%
बी.ए.	दिल्ली विश्वविद्यालय	2011	72%
एम.ए.	इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय	2013	76%

अनुभव- अभिनव पब्लिक स्कूल में अंग्रेजी शिक्षक पद पर एक साल अंशकालिक।
घोषणा- मैं आपको विशवास दिलाता हूँ कि सेवा का अवसर मिलने पर पूरी निष्ठा एव ईमानदारी से कार्य करूँगा।
धन्यवाद
भवदीय
सचिन बंसल
हस्ताक्षर .....
दिनांक 08 मई, 2019
संलग्न- शैक्षणिक एवं अनुभव प्रमाण-पत्रों की छायांकित प्रति।

अथवा

प्रेषक (From) : skumar@gmail.com
प्रेषिती (To) : nnraipur@gmail.com
विषय - खाद्य पदार्थों में मिलावट पर अंकुश लगाने के संबंध में।
महाशय,
मेरा नाम सतीश कुमार है। मैं महामाया कॉलोनी, वार्ड क्र.-12, रायपुर (छ.ग.) का रहने वाला हूँ। इस पत्र के माध्यम से आपका ध्यान खाद्य पदार्थों में हो रहे मिलावट की गंभीर समस्या की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। हाल ही में कई ऐसे मामले आएं हैं, जहां मिलावटी खाद्य पदार्थों के सेवन से लोगों को स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याओं से जूझना पड़ा है। जहाँ एक तरफ़ सही खान-पान हमारे स्वस्थ जीवन के लिए अत्यावश्यक है। वहीं दूसरी तरफ़ बाज़ार में इस तरह के मिलावटी खाद्य सामग्रियों के चलन से उपभोक्ता के अधिकारों का हनन हो रहा है।
अतः आपसे अनुरोध है कि खाद्य पदार्थों में मिलावट की जांच करते हुए इस पर अंकुश लगाने के लिए कड़े से कड़े कदम उठाए जाएं, ताकि कोई भी उपभोक्ता झूठे प्रलोभन व आकर्षक पैकेजिंग के माया जाल में न फंसकर शुद्ध उत्पाद का उपभोग कर सके। हमें विश्वास है कि आपके नेतृत्व में इस समस्या पर शीघ्र ही नियंत्रण पाया जा सकेगा। इस नेक कार्य के लिए हम सदा आपके आभारी रहेंगे।
धन्यवाद
भवदीय
सतीश कुमार
महामाया कॉलोनी, वार्ड क्र.-12,
रायपुर (छ.ग.)।
8 जून, 2024

प्लास्टिक का उपयोग करें कम

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

15.

कपड़ों के थैलों का प्रयोग करें
प्लास्टिक के दुरूपयोग पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।
आप सभी पधारकर इस अवसर का लाभ उठाएं और लोगों को भी जागरूक करें।
स्थान : बिड़ला ऑडीटोरियम
समय : शाम 4 बजे से 7 बजे तक

अथवा

संदेश

13 अक्तूबर, 2020
प्रातः 11:52 बजे
हमारे नवनिर्वाचित सांसद श्री गिरीश सिंह जी को हार्दिक बधाई। ऊपरी सदन में आपकी उपस्थिति से हमारे क्षेत्र एवं देश के कल्याणकारी मुद्दों को बल मिलेगा। विकास और जनकल्याण का मार्ग सुगम होगा। आपके राजनीतिक अनुभव और ज्ञान का लाभ हमारे क्षेत्र को प्राप्त होगा। आप क्षेत्र में रुके पड़े विकास के कार्य को फिर से पटरी पर लाएंगे। गुंडागर्दी और भ्रष्टाचार खत्म होगा। किसानों, मजदूरों व युवाओं को उनका हक मिलेगा। आपकी जीत से हमारे क्षेत्र की नव निर्माण की राह खुलेगी।
समस्त क्षेत्रवासी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in